ISSN: 2393-8048
International Conference of Education New Policy Relative to Computer
Venue: Sri Vinayak Mahavidhalya, Sri Vijaynagar, Rajasthan
23 May 2019

# महिला सशक्तीकरण और सामाजिक परिवर्तन: एक समाजशास्त्रीय अध्ययन

चंद्रकांत चावला, सहायक प्रोफेसर, समाजशास्त्र, सूरतगढ़ पी.जी कॉलेज, सूरतगढ़

## सार

महिला सशक्तीकरण सामाजिक परिवर्तन की प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण आयाम है। भारतीय समाज में महिलाओं की सामाजिक स्थिति में शिक्षा, रोजगार, राजनीतिक भागीदारी, कानूनी अधिकारों, स्वयं सहायता समूहों तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं के माध्यम से महत्वपूर्ण परिवर्तन हुए हैं। शिक्षा और आर्थिक आत्मनिर्भरता ने महिलाओं के निर्णय लेने की क्षमता तथा सार्वजनिक जीवन में उनकी भागीदारी को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसके बावजूद लैंगिक भेदभाव, घरेलू एवं कार्यस्थल संबंधी असमानताएँ, वेतन में अंतर, संसाधनों पर सीमित नियंत्रण तथा सामाजिक रूढ़ियाँ महिला सशक्तीकरण की राह में प्रमुख बाधाएँ बनी हुई हैं। प्रस्तुत शोध-पत्र का उद्देश्य महिला सशक्तीकरण और सामाजिक परिवर्तन के बीच संबंधों का समाजशास्त्रीय विश्लेषण करना है। अध्ययन में यह समझने का प्रयास किया गया है कि शिक्षा, आर्थिक स्वतंत्रता और सामाजिक-राजनीतिक भागीदारी महिलाओं की सामाजिक स्थिति तथा निर्णय लेने की क्षमता को किस प्रकार प्रभावित करती है। साथ ही, अध्ययन महिला सशक्तीकरण की प्रक्रिया में परिवार, समुदाय और संस्थागत व्यवस्थाओं की भूमिका को भी रेखांकित करता है। निष्कर्षतः, वास्तविक सामाजिक परिवर्तन के लिए महिलाओं की समान भागीदारी, अवसरों तक समान पहुँच और सामाजिक दृष्टिकोण में परिवर्तन आवश्यक है।